

**सियापा** पुं. (देश.) स्त्रियों का एकत्र होकर कुछ दिनों तक मातम (शोक) मनाना, स्यापा, मातम।

**सियार** पुं. (तद्.) गीदड़, शृगाल।

**सियार लाठी** पुं. (देश.) अमलतास।

**सियारा** पुं. (देश.) एक प्रकार का फावड़ा जिससे जोती हुई जमीन समतल की जाती है, जाड़े का मौसम, सियाला।

**सियारिन/सियारी** स्त्री. (तद्.) गीदड़ की मादा, शृंगाली।

**सियाल** पुं. (तद्.) शृंगाल, गीदड़, सियार।

**सियाला** पुं. (देश.) शीतकाल, जाड़े का मौसम।

**सियालापोका** पुं. (देश.) मिट्टी वाली दीवार में पाया जाने वाला छोटा कीड़ा जो सफेद चिपटे कोश के अंदर रहता है, लोना-पोका।

**सियाली** स्त्री. (देश.) एक प्रकार का कंद वि. जाड़े में तैयार होने वाली खरीफ की फसल।

**सियावड़ी** स्त्री. (तद्.) 1. अनाज का वह हिस्सा जो फसल कटने पर खलिहान में से साधुओं के लिए निकाला जाता है 2. बिजूखा।

**सियासत** स्त्री. (अर.) 1. (राज्य की) शासन व्यवस्था 2. राजनीति।

**सियासती** वि. (अर.) राजनीतिक, राजनीति-संबंधी।

**सियाह** वि. (फा.) 1. काला, कृष्ण वर्ण का 2. दूषित, बुरा।

**सियाही** स्त्री. (फा.) 1. स्याही, रोशनाई, मसि 2. कलंक, दोष 3. कालिमा, कालिख 4. काजल।

**सिर** पुं. (तत्.) 1. गर्दन के ऊपर का भाग जिसमें नाक, कान, मुँह, आँख आदि होते हैं और जिसके अंदर मस्तिष्क रहता है, कपाल, खोपड़ी 2. शिर, मस्तक 3. मस्तिष्क, दिमाग 4. किसी वस्तु का ऊपरी सिरा, चोटी वि. 1. उत्तम, श्रेष्ठ 2. बड़ा, महान।

**सिरई** स्त्री. (देश.) पलंग या चारपाई पर उस ओर की लकड़ी जिस पर सोने के समय तकिया (सिहारना) रखते हैं।

**सिरकटा** वि./पुं. (देश.) 1. जिसका सिर कट गया हो 2. सिर काटने वाला, हत्यारा 3. ऐसा भूत-प्रेत जिसका सिर कटा हुआ हो 4. दूसरों का सिर काटने अर्थात् बहुत अधिक अपकार करने वाला लाक्ष. अपकारी।

**सिरका** पुं. (फा.) अंगूर, ईख, जामुन आदि के रस को धूप में सड़ा कर खमीर उठाने से तैयार किया गया पदार्थ।

**सिरका-कश** पुं. (फा.) सिरका या अर्क खींचने का एक प्रकार का यंत्र।

**सिरकी** स्त्री. (देश.) 1. सरकंडा 2. सरकंडे की बनी हुई टट्टी जिसे धूप, वर्षा आदि से बचने के लिए बैलगाड़ियों पर लगाया जाता है 3. बाँस की पतली नजली जिसमें बेल-बूटे काढ़ने का कलाबत्तू भरा रहता है।

**सिर-खप** वि. (देश.) 1. दूसरों का सिर खपाने वाला 2. बहुत अधिक परिश्रम करके अपना सिर खपाने वाला।

**सिर-खपी** स्त्री. (देश.) सिर खपाने की क्रिया या भाव, समझाने में सिर खपाना, माथापच्ची।

**सिर-खिली** स्त्री. (देश.) मटमैले रंग की एक प्रकार की चिड़िया, जिसकी चोंच और पैर काले होते हैं।

**सिर खिशत/सिर खिस्त** पुं. (फा.शिरखिस्त) दवाई के काम आने वाला एक प्रकार का गोंद, यवशर्करा।

**सिरगा** पुं. (देश.) घोड़ों की एक जाति।

**सिरगिरी** स्त्री. (देश.) 1. टोपी, पगड़ी आदि में लगने की कलगी 2. चिड़ियों के सिर पर की कलगी।

**सिरगोला** पुं. (देश.) दुग्ध पाषाण।

**सिरचंद** पुं. (देश.) हाथी के मस्तक पर शोभा के लिए लगाया जाने वाला एक प्रकार का अर्द्ध चंद्राकार आभूषण।

**सिरचढ़ा** वि. (देश.) धृष्टतापूर्वक बात करने वाला, मुँहलगा।